अनंग ताल झील

हाल ही में संस्कृति मंत्रालय ने दक्षिणी दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक अनंग ताल झील के जीर्णोद्धार का आदेश दिया है।

- राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (NMA) और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने अधिकारियों से इसके संरक्षण कार्य में तेज़ी लाने को कहा है ताकि साइट को **राष्ट्रीय स्मारक** घोषित किया जा सके।

प्रमुख बिंदु:

- यह झील दिल्ली के महरौली में स्थित है जिसका निर्माण तोमर राजा अनंगपाल द्वितीय द्वारा 1060 ईस्वी में कराया गया था।
  - उन्हें 11वीं शताब्दी में दिल्ली की स्थापना करने और इसे बसाने हेतु जाना जाता है।
- सहस्राब्दी पुराना **अनंग ताल** दिल्ली के प्रारंभिक कालखंड का प्रतीक है।
- अनंग ताल का राजस्थान से **एक मज़बूत संबंध** है क्योंकि **महाराजा अनंगपाल को पृथ्वीराज चौहान के नाना के रूप में जाना जाता है** , जिनका किला **राय पिथौरा**, ASI की सूची में शामिल है।

अनंगपाल द्वितीय:

- अनंगपाल द्वितीय, जिसे **अनंगपाल तोमर के नाम से जाना जाता है, तोमर वंश** से संबंधित थे।
- वह ढिल्लिका पुरी के संस्थापक थे, जो अंततः दिल्ली के नाम से जाना गया।
  - दिल्ली के प्रारंभिक इतिहास के साक्ष्य कुतुब मीनार से सटी मस्जिद **कुव्वत उल इस्लाम** के लोहे के स्तंभ पर खुदे हुए हैं।
- कई शिलालेखों और सिक्कों के अध्ययन से पता चलता है कि अनंगपाल तोमर 8वीं-12वीं शताब्दी के बीच दिल्ली और हरियाणा के शासक थे।
  - उन्होंने भग्नावशेष पर शहर का निर्माण कराया और अपनी देख-रेख में अनंग ताल बावली तथा लाल कोट का निर्माण कराया।
- अनंगपाल तोमर द्वितीय के बाद उनका पोता पृथ्वीराज चौहान उत्तराधिकारी बना।
  - दिल्ली सल्तनत की स्थापना 1192 में पृथ्वीराज चौहान की तराइन (वर्तमान हरियाणा) की लड़ाई में घुरिद सेनाओं से हार के बाद हुई।

तोमर राजवंश के बारे में:

- तोमर राजवंश उत्तरी भारत के प्रारंभिक मध्ययुगीन छोटे राजवंशों में से एक है।
- पौराणिक साक्ष्य (पुराणों के लेखन) इसे हिमालय क्षेत्र के प्रारंभिक राजवंशों में शामिल करने की पुष्टि करते हैं। भाट परंपरा के अनुसार, तोमर राजवंश 36 राजपूत जनजातियों में से एक था।
- राजवंश का इतिहास अनंगपाल के शासनकाल की अवधि तक देखा जा सकता है जिन्होंने 11वीं शताब्दी में दिल्ली शहर की स्थापना की और 1164 में चौहान (चाहमान) साम्राज्य में दिल्ली को शामिल किया।
- हालाँकि दिल्ली बाद में निर्णायक रूप से चौहान साम्राज्य का हिस्सा बन गई, मुद्राशास्त्र और तुलनात्मक रूप से बाद के साहित्यिक साक्ष्य इंगित करते हैं कि संभवतः वर्ष 1192-93 में मुसलमानों द्वारा दिल्ली की अंतिम विजय तक **अनंगपाल और मदनपाल जैसे तोमर राजाओं ने सामंतों के रूप में शासन करना जारी रखा।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/anang-tal-lake